12

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्कूल में पढ़ने वाले दो बच्चों के बीच हो रहे वार्तालाप को पढ़िए। उनकी कक्षा में पढ़ने वाला एक विद्यार्थी गिर जाता है जिससे उसके घुटने को बुरी तरह चोट लग जाती है तथा रक्त बहने लगता है;

राहुलः मयंक ज़मीन पर गिर गया।

कृतिः उसके घुटने से रक्त बह रहा है।

राहुलः हमें क्या करना चाहिए ?

कृर्तिः मुझे नहीं पता। चलो कक्षा अध्यापिका को इसकी सूचना देते हैं। कक्षा अध्यापिका आती हैं तथा अपने हाथों में प्राथमिक उपचार बॉक्स पकड़े हुए मयंक को एक अलग कमरे में ले जाती हैं।

राहुलः देखो कृति, अध्यापिका जी उसके घावों पर पट्टी बाँध रही हैं।

कृतिः ओह, वाह। अध्यापिका जी को पट्टी बाँधनी आती है तथा हमारे स्कूल में प्राथमिक उपचार बॉक्स भी है।

दोनों को जिज्ञासा होती है तथा वे अपनी कक्षा अध्यापिका से जाकर पूछते कि हमारे स्कूल में प्राथमिक बॉक्स क्यों है तथा स्कूल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानना चाहते हैं। इस पाठ में आप विद्यालयों में चलाए जा रहे स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में जानेंगे ताकि आप इसके उद्देश्य को समझ सकें।

उद्देश्य

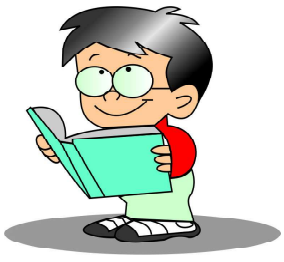

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात् आप :

- स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की अवधारणा की व्याख्या कर सकेंगे;

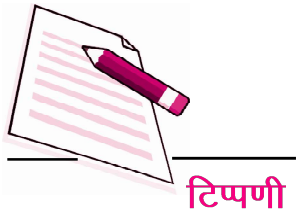

टिप्पणी

- स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के पहलूओं की व्याख्या कर सकेंगे;
- स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के संगठन के बारे में सीख सकेंगे

12.1 स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की अवधारणा

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम को देशभर में लागू किया गया है। यह एकमात्र समुदाय आधारित कार्यक्रम है जो विशेष रूप से स्कूल जाने वाले बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार लाने संचारी तथा असंचारी रोगों के जोखिम को कम करने तथा लाखों बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और उनके कल्याण पर केंद्रित है।

इसलिए खेल से जुड़ी गतिविधियाँ, शारीरिक शिक्षा, योग तथा परामर्श सुविधाओं को शामिल किया गया है ताकि दैनिक तनाव कम हो सके, जो बच्चे के संपूर्ण विकास में तेज़ी लाता है। पूरी तरह से विकसित दुनिया के कार्यों को संभालने के लिए सफल स्वास्थ्य कार्यक्रम, बच्चों में स्वास्थ्य संबंधित शैक्षिक परिणाम, बेहतर सामाजिक समानता, बेहतर अधिगम क्षमता, संज्ञानात्मक कार्य और स्कूल में उपस्थिति को बढ़ाता है।

1940 में कल्पना की गई एक व्यापक स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की योजना में निम्नलिखित प्रमुख भाग शामिल थे जैसे चिकित्सा देखभाल, स्वस्थ विद्यालय पर्यावरण और पौष्टिक मध्याह्न योजना (मिड–डे मील) और स्वास्थ्य तथा शारीरिक शिक्षा। ये प्रमुख भाग बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण है और इसीलिए इन्हें पाठ्यक्रम के भाग के रूप में शामिल करने की आवश्यकता है।

स्कूल नवीनतम वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करने, स्वास्थ्यकर प्रवृत्ति तथा आदतों को अपनाने तथा उन्हें बढ़ावा देने तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार के वांछनीय प्रतिमानों को स्थापित करने के लिए अवसर प्रदान करके स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की सर्वोत्तम स्थिति में है। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्टेक होल्डरों, शिक्षकों, माता–पिता तथा बच्चों को सशक्त बनाता है। ये व्यापक विद्यालयी स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित है और यह स्वास्थ्य संवर्धन, स्कूल स्वास्थ्य देखभाल, बाल स्वास्थ्य देखभाल, बाल स्वास्थ्य का मूल्यांकन तथा आकलन के संबंध में जागरुकता पैदा करता है। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत केवल बच्चे ही नहीं बल्कि शिक्षक तथा स्कूल के अन्य कर्मचारी भी आते हैं। इसमें बच्चों के स्वास्थ्य स्तर की जाँच, आँखों की जाँच, दाँतों की जाँच, शारीरिक दर्द की जाँच, मनोवैज्ञानिक जाँच–पड़ताल, स्वास्थ्य विश्लेषण के बारे में संग्रहित सूचनाओं का इलेक्ट्रॉनिक भंडारण शामिल है।

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्कूल जाने वाले बच्चों में स्वास्थ्यवर्धक आदतों को विकसित करता करता है। स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम स्कूलों और स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से संबंधित है। यह इन बच्चों के समग्र स्वास्थ्य, पोषण, शारीरिक शिक्षा, योग, तैरना आदि पर केंद्रित है। यह स्कूल में प्रमुख भूमिका निभाता है।

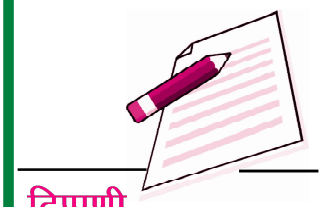

क्या आप जानते हैं?

भारत में प्रभावी स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक है क्योंकि ऐसा करने से हमारे देश में युवा वर्ग की शिक्षा तथा स्वास्थ्य के स्तर में सुधार आएगा, क्योंकि 180 करोड़ छोटे बच्चे लगभग 15,00,000 स्कूलों में पढ़ते हैं। वे प्रतिदिन 13 वर्षों तक 6 घंटे स्कूल में रहते हैं जो उनके जीवन के प्रारंभिक वर्ष हैं। 5–17 वर्ष के 95 प्रतिशत से भी अधिक बच्चे स्कूलों में पंजीकृत हैं। यह बच्चों में सामान्य संक्रामक बीमारियों से होनेवाली मृत्यु, विकलांगता, अस्वस्थता को कम करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

12.1.1 स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की परिभाषा

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार ''एक प्रभावी स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम किसी राष्ट्र द्वारा किए जाने वाले सबसे अधिक लागत कुशल निवेशों में से एक है जो शिक्षा और स्वास्थ्य में एक साथ सुधार ला सकता है''।

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम को ''स्कूल द्वारा उठाए गए उन कदमों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो बच्चों और स्कूल कर्मियों के स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य सेवाओं, स्वास्थपरक जीवन तथा स्वास्थ्य शिक्षा के संरक्षण और इसको बढ़ाने में योगदान देते हैं।''

वास्तव में यह स्पष्ट है कि स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के परस्पर संबंधित चार स्तंभ हैं, शिक्षण और अधिगम, सामाजिक तथा भौतिक पर्यावरण, स्वास्थ्य स्कूल नीति और साझेदारी तथा सेवाएँ। यह स्कूल स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य में सुधार करने अथवा प्रत्येक बच्चे में बीमारी की रोकथाम को प्रभावी बनाता है।

क्रियाकलाप 12.1

भारत में चल रहे स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम पर एक रिर्पोट लिखिए।

पाठगत प्रश्न 12.1

i) स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का क्या लक्ष्य है ?

अ) बच्चे की स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना।

ब) मिड–डे मील को बढ़ावा देना।

स) प्राथमिक चिकित्सा को बढ़ावा देना।

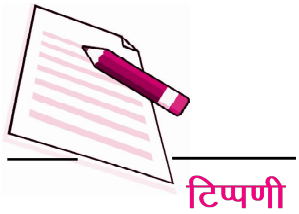

ii) भारत में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम कब शुरु किया गया ?

अ) 1942

ब) 1940

स) 1944

iii) स्कूल स्वास्थ्य कम करता है:

अ) जोखिम स्वास्थ्य कारक,

ब) सिर दर्द

स) अस्वस्थता

iv) स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के क्या लाभ हैं ?

अ) रोग का उपचार

ब) शिक्षा एवं स्वास्थ्य, स्वच्छता में सुधार

स) क्रोध पर नियंत्रण

v) स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम में कौन–से उपाय शामिल हैं ?

अ) मिड–डे मील और आहार

ब) शरीर की पूरी जाँच और स्वस्थता स्तर

स) उपरोक्त सभी

vi) विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की परिभाषा दी है:

अ) शिक्षा तथा स्वास्थ्य में साथ–साथ सुधार

ब) स्वस्थ जीवन

स) स्वास्थ्य शिक्षा

12.2 स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के पहलू

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के मुख्यतः तीन पहलू हैं:

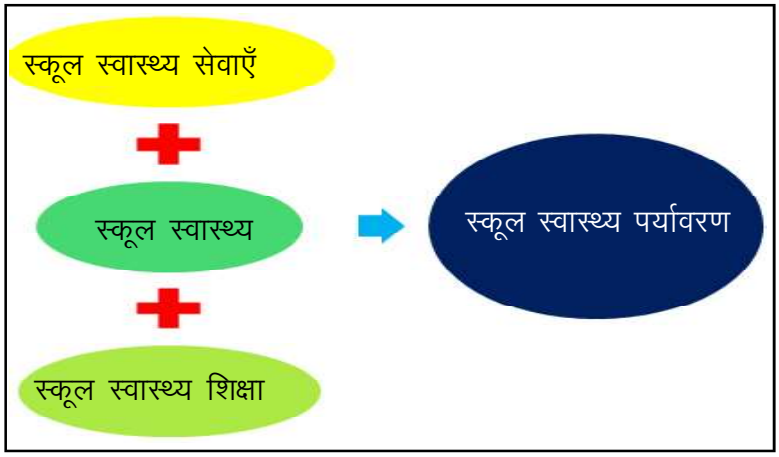

12.2.1 स्कूल स्वास्थ्य सेवाएँ

स्कूल स्वास्थ्य सेवाएँ भावी पीढ़ी के लिये एक अच्छे समुदाय के विकास का शक्तिशाली साधन है क्योंकि यह बच्चों के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का महत्वपूर्ण पहलू है। स्कूल जाने वाले बच्चों में स्वास्थ्य और पोषण के मानक और उनके सुधार का विश्लेषण करने के लिये एक स्कूल स्वास्थ्य समिति का गठन किया गया था। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम भी स्कूल स्वास्थ्य का एक हिस्सा है जिसे भारत सरकार द्वारा कर्यांवित किया जाता है। यह कार्यक्रम भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1–19 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के लिये एक निश्चित दिन कार्यान्वित किया जाता है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूल के बच्चों को एलबेनडाजोल तथा आयरन की गोलियों (Albendazole and Iron tablets) दी जाती हैं ताकि बच्चों का स्वास्थ्य, पोषण का स्तर, शिक्षा तक पहुँच और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

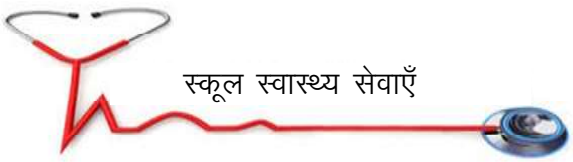

स्कूल स्वास्थ्य सेवाओं की विशेषताएँ

स्कूल स्वास्थ्य सेवाओं का कार्य कई बहुआयामी है और स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुसार

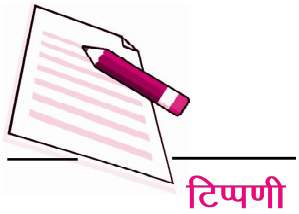

टिप्पणी

बदलता रहता है। स्कूल स्वास्थ्य सेवाओं की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- स्कूली बच्चों और स्कूल में काम करने वाले कर्मचारियों के स्वास्थ्य मूल्यांकन में समय–समय पर चिकित्सा परीक्षा और कक्षा या चिकित्सा विशेषज्ञ द्वारा बच्चों का अवलोकन शामिल है।

- उपचारात्मक उपायों और फालो अप (follow-up) में न केवल प्रांरभिक चिकित्सा जाँच शामिल है बल्कि नियमित रूप से चिकित्सा जाँच और उचित उपचार भी इसके अंतर्गत आता है।

- संचारी रोगों की रोकथाम में सभी टीकाकरण रिर्पोटों को दर्ज करना और स्कूल स्वास्थ्य रिकॉर्ड के एक भाग के रूप में इन रिपोर्टों को रखना शामिल है।

- इष्टतम स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए पोषण संबंधी सेवाओं के अंतर्गत उचित अनुपात में सभी पोषक तत्त्वों की आवश्यकता होती है। स्कूल में बच्चों के पोषण स्तर को बढ़ाने में मिड–डे स्कूल भोजन कार्यक्रम का एक अनिवार्य भाग है।

- प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल उन शिक्षकों के कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी है जो छात्रों को बुनियादी आपातकालीन देखभाल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित हैं, जैसे–दुर्घटना में मामूली या गंभीर चोटें और बेहोशी, गेस्ट्रएंटेराइटिस आदि सेंट जॉन एम्बुलेंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (St. John Ambulance Association of India) के नियमों के अनुसार प्रत्येक स्कूल में सभी उपकरणों से लैस एक प्राथमिक चिकित्सा पोस्ट प्रदान की जानी चाहिए।

- बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य उसके शारीरिक स्वास्थ्य तथा अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करता है। अतः स्कूल में व्यावसायिक परामर्शदाताओं और मनोवैज्ञानिकों की बहुत आवश्यकता है ताकि वे बच्चों के कैरियर संबंधी पहलुओं, मादक पदार्थों की लत, समायोजन की कमी तथा किशोर अपराध पर नियंत्रण कर सकें।

- दंत स्वास्थ्य में दाँतों में कीड़ा लगना तथा पेरीडौंटल रोग शामिल है जो भारत में पाए जाने वाले सबसे सामान्य दंत रोग है। यद्यपि स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रमों में दाँतों के परीक्षण की व्यवस्था है, फिर भी बच्चे कई दंत रोगों से पीड़ित हैं।

टिप्पणी

- स्वास्थ्य शिक्षा स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण तत्त्व है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य ज्ञान, विद्यार्थियों के व्यवहार तथा आदतों में आवश्यक बदलाव लाना है।

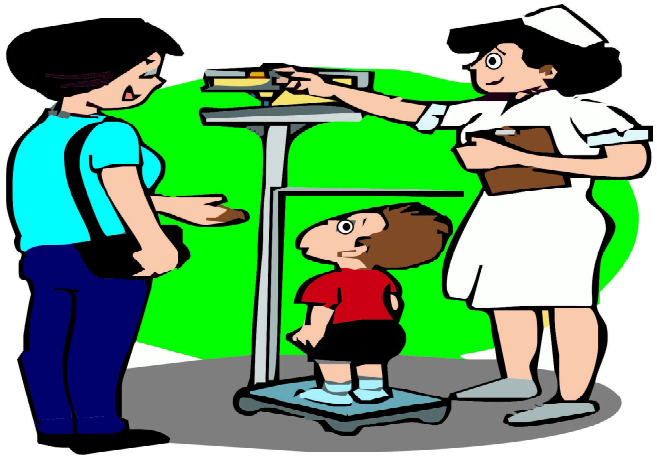

- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) की शिक्षा का लक्ष्य उन्हें और उनके परिवार को उनकी अधिकतम क्षमता का है ताकि एक सामान्य जीवन व्यतीत किया जा सके और वे समाज के उपयोगी तथा स्वयं सहायक सदस्य बन सकें।

- स्कूल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का अर्थ है स्वास्थ्य रिकॉर्ड का उचित रखरखाव और उपयोग। इसमें सम्मिलित हैं:

  i) डाटा, नाम, जन्म की तिथि, माँ–बाप के नाम, घर का पता आदि की पहचान।

  ii) पिछला स्वाव्स्थ्य रिकॉर्ड को देखना

  iii) शारीरिक जाँच परिणामों के रिकॉर्ड, स्क्रीनिंग टेस्ट, प्रदान की गई सेवा का रिकॉर्ड

यह रिकॉर्ड स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के विश्लेषण एवं मूल्यांकन में भी उपयोगी होगा।

क्या आप जानते हैं?

1) स्कूल, स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों की उपयुक्त आयु क्या है ?

   स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे जिनकी आयु 5–17 वर्ष के बीच है।

2) इस आयु वर्ग में कुल जनसंख्या का कितना प्रतिशत है ?

   कुल जनसंख्या का लगभग 30 प्रतिशत इस आयु वर्ग में शामिल है।

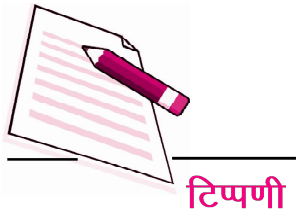

टिप्पणी

क्रियाकलाप 12.2

1) अपने परिवार के लिए एक चिकित्सा बॉक्स तैयार कीजिए और ऐसी 5 वस्तुओं को सूचीबद्ध कीजिए जो इस बॉक्स का हिस्सा होनी चाहिए।

2) अपने परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य रिकार्ड को सूचीबद्ध कीजिए।

3) अपने पड़ोस के किन्हीं पाँच स्कूलों में जाइए तथा स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में चल रही गतिविधियों की सूची बनाइए।

पाठगत प्रश्न 12.2

1) कॉलम I में दिए गए शब्दों का मिलान कॉलम II में दिए गए उनके अर्थ के साथ कीजिए

i) दंत स्वास्थ्य	अ) बच्चों के पोषाहार स्तर को बढ़ाना
ii) मिड–डे मील	ब) प्रत्येक बच्चे के स्वास्थ्य की रिपोर्ट
iii) स्कूल स्वास्थ्य रिकार्ड	स) दांतों की जाँच
iv) स्कूली बच्चों की आयु	ड) चोट का तुरन्त इलाज करना
v) कुल जनसंख्या का प्रतिशत है	इ) इस आयु वर्ग का 30 प्रतिशत
vi) प्राथमिक चिकित्सा	फ) स्वास्थ्य योजना
vii) व्यापक कृमि मुक्ति	ज) 5–17
viii) स्कूल स्वास्थ्य सेवाएँ	ह) 1909

2) स्कूल स्वास्थ्य सेवाओं की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

.....

.....

12.2.2 स्कूल स्वास्थ्य पर्यावरण

यह स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू है और इसे स्कूल स्वास्थ्यकारिता कहा जाता है। स्वास्थप्रद विद्यालयी रहन–सहन में स्कूल का भवन, वह स्थान जहाँ स्कूल बना

टिप्पणी

है और उपकरण शामिल हैं जिनके बीच एक बच्चा बढ़ता तथा विकसित होता है। प्रत्येक स्कूल को हर एक बच्चे के लिए सर्वोत्तम स्वच्छता सेवा प्रदान करनी चाहिए। अतः विद्यार्थियों को श्रेष्ठ भावनात्मक, सामाजिक तथा वैयक्तिक स्वास्थ्य की आवश्यकता है।

स्वास्थप्रद विद्यालयी रहन सहन की विशेषताएँ

स्वास्थप्रद विद्यालयी रहन–सहन का उद्देश्य स्कूल स्वास्थ्यकारिता की इष्टतम दक्षता है जो स्कूल के पर्यावरण से प्राप्त हो सकती है। स्वास्थप्रद विद्यालयी रहन–सहन की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- पर्याप्त स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल तथा पोषण शिक्षा
- मिड–डे मील कार्यक्रम का उचित ढंग से कार्यावंयन
- स्कूल सामान्यतः बाज़ार से उचित दूरी पर केन्द्रं में होना चाहिए जहाँ सड़क द्वारा आसानी से पहुँचा जा सके।
- कक्षा के कमरे तथा फर्नीचर छात्रों के आयु वर्ग के अनुरूप होने चाहिए।
- समय–समय पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण।
- लड़के तथा लड़कियों के लिए अलग शौचालय।
- लड़कियों के लिए निजता और सुरक्षा।
- स्कूल को हिंसा तथा किसी भी प्रकार के विकर्षण से मुक्त रखना।
- किसी भी प्रकार का शारीरिक दंड नहीं।
- योग, शारीरिक शिक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा का नियमित अभ्यास।
- प्राथमिक चिकित्सा कक्ष तथा प्राथमिक चिकित्सा डिब्बा किट का रखरखाव।

समग्र स्वास्थ्य

टिप्पणी

क्या आप जानते हैं ?

भारत में केंद्र और राज्य सरकारें 'स्वच्छ भारत अभियान' के एक पहलू के अंतर्गत स्कूल में हाथ धोने की सुविधा, स्कूल शौचालय, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्यकारिता के उद्देश्य से समावेशी पहुँच सुनिश्चित करने के लिए वचनबद्ध हैं जो स्कूल की स्वास्थ्यप्रद स्थिति पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

www.mdws.gov.in पर देखिए।

क्रियाकलाप 12.3

एक बोर्ड बनाइए जिस पर स्कूल की स्वास्थ्यप्रद स्थिति जैसे भोजन, स्वच्छता और स्कूल की साफ़ सफाई के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई हो।

पाठगत प्रश्न 12.3

सही उत्तर चुनें

i) स्वास्थप्रद विद्यालयी रहन–सहन का क्या लक्ष्य है ?

अ) पोषण का स्तर

ब) हर बच्चे के लिए सर्वोत्तम स्वच्छता

स) चोट का उपचार

ii) हमारे देश में सभी लोगों के लिए स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा किस कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी?

अ) स्वच्छ भारत अभियान

ब) कृमि मुक्ति (Dewarming) कार्यक्रम

स) क्षमता निर्माण कार्यक्रम

iii) स्कूल स्वास्थ्य स्थिति बच्चे के कौन–से विकास को प्रभावित कर सकती है?

अ) शारीरिक विकास

ब) सामाजिक विकास

स) संपूर्ण विकास

12.2.3 स्वास्थ्य शिक्षा

स्वास्थ्य शिक्षा स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। इसमें सुरक्षा शिक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन सहित कई प्रकार की स्वास्थ्य सूचनाओं का शिक्षण शामिल है। स्वास्थ्य शिक्षा का लक्ष्य स्वास्थ्य ज्ञान, मानसिकता, व्यवहार में लाभकारी परिवर्तन लाना है और केवल यही नहीं बल्कि बच्चों को स्वच्छता के नियमों के बारे में भी सिखाना चाहिए।

स्वास्थ्य शिक्षा की विशेषताऐं

स्वस्थ शिक्षा की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के विषयों का अध्ययन भी करना होगा।
- स्कूल स्वास्थ्य रिकार्ड का रखरखाव। ये रिकार्ड स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की निगरानी और मूल्यांकन में बहुत सहायक है और ये स्कूल, घर तथा समुदाय के बीच संबंध स्थापित करते हैं।
- उपचार संबंधी सेवाएँ प्रदान करना जिसके अंतर्गत नियमित दंत चिकित्सा जाँच, जब कभी भी संभव हो वहाँ तेज़ी से उपचार किया जाए और किसी विशेष समस्या के लिए अस्पताल भेजा जाए।
- हर बच्चे तथा किशोर को समर्थन का आधार प्रदान किया जाए।
- यह देखा गया है कि अच्छी तरह से कार्यांवित स्वास्थ्य शिक्षा स्कूल की उपलब्धियों में सुधार लाएगी।
- छात्र की सक्रिय भागीदारी, प्रत्येक स्कूली बच्चा एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता है।
- रोग के संकेत/लक्षण जानने के लिए प्रत्येक बच्चे की प्रतिदिन प्रातःकालीन जाँच

पाठगत प्रश्न 12.4

1) छात्रों को किस प्रकार की स्वास्थ्य जानकारी दी जानी चाहिए ?

2) स्वास्थ्य शिक्षा के लक्ष्य का वर्णन कीजिए।

3) स्कूल में दी जाने वाली स्वास्थ्य शिक्षा की चार प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

टिप्पणी

12.3 स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम का संगठन

भारत के साथ–साथ अन्य देशों में भी स्कूल स्वास्थ्य प्रशासन का कोई स्थिर स्वरूप नहीं है। बच्चे के स्वास्थ्य की मुख्य ज़िममेदारी माँ–बाप, शिक्षक, स्टेकहोल्डरों, स्वास्थ्य प्रशासकों और समुदाय की है। वर्ष 1960 में भारतीय सरकार द्वारा गठित स्कूल स्वास्थ्य समिति ने सिफारिश की कि इसे सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं का एक अभिन्न अंग होना चाहिए।

स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के संगठन की विशेषताएँ

- प्रत्येक स्कूल में, एक स्वास्थ्य परिषद और एक स्वास्थ्य समिति का गठन किया जाना चाहिए।
- स्वास्थ्य समिति को स्कूल में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम के लिए नेतृत्त्व और मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए जो समुदाय के कल्याण में सहायता करेगा।
- इस परिषद के सदस्यों में स्कूल के मुखिया, स्कूल के चिकित्सा सलाहकार, स्वास्थ्य समन्वयक, विभिन्न शिक्षक, छात्र और अभिभावकों के प्रतिनिधि जैसे स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य शामिल होने चाहिए।
- हर स्कूल में एक मनोवैज्ञानिक, प्राथमिक चिकित्सा में प्रशिक्षित शिक्षक, पोषण विशेषज्ञ या दंत चिकित्सक होना चाहिए।
- स्कूल में पूर्णकालिक या अंशकालिक चिकित्सा सलाहकार/डॉक्टर होना चाहिए क्योंकि छात्रों को किसी भी समय चिकित्सा देखभाल और आपातकालीन देखभाल की आवश्यकता पड़ सकती है।

स्वास्थ्य समन्वयक स्कूल में स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के भली भाँति से कार्यान्वयन के लिए सबसे महत्वपूर्ण और ज़िम्मेदार व्यक्ति हैं। वह विभाग प्रमुख, प्रधानाचार्य और शारीरिक शिक्षाविद् भी हो सकते हैं

पाठगत प्रश्न 12.5

1) स्वास्थ्य समिति बच्चों को क्या प्रदान करती है ?

2) स्वास्थ्य स्कूल समिति में मुख्य ज़िम्मेदार व्यक्ति कौन होता है ?

टिप्पणी

आपने क्या सीखा

- एक बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति की पहचान कर के उसकी शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक स्थिति में सुधार करें और बच्चों में स्वास्थ्य से संबंधित जोखिम को रोकना।
- बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी और मार्गदर्शन को समझना।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (children with special needs) के लिए विशेष स्वास्थ्य प्रावधान प्रदान करना।
- प्रत्येक बच्चे और व्यस्क के लिए उपयुक्त संभव स्वास्थ्य का विकास।
- प्रारंभिक अवस्था में बच्चों में दोष और विकारों का पता लगाना, उन्हें रोकना और ठीक करना।
- समग्र प्रवत्ति और सामाजिक समायोजन को विकसित करना।
- बच्चों के साथ–साथ शिक्षकों, अभिभावकों और स्टेकहोल्डरों में स्वास्थ्य चेतना को शामिल करना।
- संचारी तथा असंचारी रोगों की घटनाओं को कम करना।
- शीघ्र निदान, उपचार की पहचान करना तथा अभाव को पूरा करने की कार्यवाही करना
- प्राथमिक उपचार और आपातकालीन देखभाल को सीखना।
- संवर्धन, निवारण और उपचार से जुड़ी सेवाओं में प्राथमिक स्कूल शिक्षकों तथा अन्य स्टेकहोल्डरों के प्रशिक्षण के महत्व पर चर्चा करना।
- प्रशिक्षित शिक्षकों और अन्य संगठनों द्वारा उपयुक्त निर्देशपरक सेवाओं के लिए बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जाँच एवं परीक्षण के प्रभाव का विश्लेषण करना।

पाठांत प्रश्न

1) स्वास्थ्य स्कूल कार्यक्रम का क्या अथ है?
2) विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम की परिभाषा लिखिए।
3) स्वास्थ्य स्कूल कार्यक्रम छात्रों के लिए क्यों आवश्यक है ?
4) स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं का वर्णन कीजिए।
5) स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लक्ष्य को उजागर कीजिए।

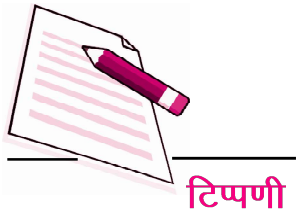

टिप्पणी

6) स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रत्येक पहलू का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

7) बच्चों के समग्र विकास के लिए स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम क्यों आवश्यक है ?

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

12.1

1) i) अ), ii) ब), iii) अ), iv) ब), v) स), vi) अ),

12.2

1) i) स, ii) अ, iii) ब, iv) ज, v) इ, vi) ड, vii) फ, viii) ह

2) स्कूल के बच्चों को स्वास्थ्य मूल्यांकन, नियमित चिकित्सा परीक्षा, संचारी रोगों की रोकथाम, पोषण सेवाएँ, प्राथमिक चिकित्सा तथा स्वास्थ्य शिक्षा।

12.3

i) ब ii) अ iii) स

12.4

1. स्वास्थ्य शिक्षा स्कूली स्वास्थ्य कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें सुरक्षा शिक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरणीय स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन सहित कई प्रकार की स्वास्थ्य जानकारी का प्रावधान शामिल है
2. स्वास्थ्य शिक्षा का लक्ष्य स्वास्थ्य ज्ञान में, मानसिकता में, व्यवहार में लाभकारी परिवर्तन लाना होना चाहिए और इतना ही नहीं बल्कि बच्चों को स्वच्छता का एक नियम भी सिखाना चाहिए।
3. विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा की मुख्य चार विशेषताएँ स्वास्थ्य सम्बन्धी हैं

   ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल और अभ्यास।

12.5

1. स्वास्थ्य समिति स्कूल में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम को नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करती है, जो समुदाय के कल्याण में सहायता करती है।
2. स्वास्थ्य समन्वयक स्कूल में एक अच्छी तरह से कार्यान्वित स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के लिए सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदार व्यक्ति है। वह विभाग का प्रमुख, प्रधानाचार्य और शारीरिक शिक्षाविद् हो सकता है